प्रेषक.

वी. लाल. सचिव, न्याय एवं विधि परामशी, उत्तराचल शासन ।

संवा में.

श्री ज्ञानन्द्र मुमार शर्मा, सदस्य-सचिव, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, उत्तरांचल उच्च न्यायालय परिभार, नैनाताल ।

न्याय विभाग

देहरादून:दिनांक: 20 आगस्त, 2003

विषय:- जनपद उधमसिंहनगर में जिला गिधिक सेवा प्राधिकरण हेतु पद मृद्धन विषयक ।

महोदय.

उपरोक्त विश्वक आपके पत्र मंख्या-135/ग,वि.से.धा./वैतीशल, दिसंक 25 जुलाई, 2003 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि अनपद उधमर्थिहनगर में डिला विधिक सेवा प्राधिकाण के कार्यों की सुचारू रूप से सम्पादित कराये जाने हें। निम्निलिखित विवरणानुसार 2 अस्थाई संवर्गीय पर्दो को शासनादेश निर्गत होने की तिथि अथवा पर भरे दाने की दिवि, जो भी बाद में हो से 6 माह अथवा दिनोंक 29.2.2004 तक, बरातें ये पद इसके पूर्व विना किसी पूर्व सूचना के पहले ही समाप्त न कर दिये जाए, मुजित करने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते 8:-

<u>चेत्र</u>प्रमान पदी की संख्या पदनाम क्र.सं. रापने 3050-75-3950-80-4590 1 लिपिक 1 वपय 2550-55-2660-60-3200 ٦ चपरासी कुल याग

उक्त पदधारकों को उक्त पर के गतन के अतिरिक्त शासन द्वारा समय पर विगंत आदेशों के अनुसार अनुमन्य किये गये महरगाई व अन्य भरते भी देव होंगे ।

उक्त पदो पर नियुक्ति/वैनानो जनपद स्तरीय आधिकारी की तैनातो को उपरान्त हो की आयेगी । उन्हर पदी पर नियुक्ति/तैनाती पश्चासंभव प्रदेश के सरप्तस/स्टरनेश्चा कर्मचे से हो की जारेगी ।

उक्त पदों के मुजन के फल्सन्वरूप तद्विषयक संवर्ग में अरुवाई अभिनृद्धि के रूप में वाने जापेंगे।

इस सम्बन्ध में होने वाला अन्य बालु विक्तीय वर्ष 2003-2004 के आय-व्ययक के अनुदाय संख्या-04 कं अन्तर्गत संख्यागोर्धक "2014-न्याय प्रशासन-आयोजनेतार-००-३००-अन्य व्यय-०७-जिसा विधिक सेवा प्राधिकरण-00" के अधीन मुसंगत प्राथमिक इकाइयों के नामें डाला जायेगा ।

यह आदेश जिला विभाग के अशासकीय संख्या-884/विता अनुभाग-3/2003, दिनोक 20.8.03 में प्राप्त

उनकी सहमति से आरी किये वा रहे हैं।

संख्या:- 16-एक(5)(1)/न्याय विभाग/2001 तद्दिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचगार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेनु प्रेपित :-

- महालेखाकार, उस्तरचिल, ओवेयन मोटर विल्डिंग, माजरा, दहरादून । 7-
- जनध्द ऱ्यायाचीरा/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, उधमसिंहनगर ।
- वरिष्ठ कोपाधिकारो, उधमसिंहनगर ।
- विता अनुमाग-3/गार्ड बुक ।